महाराष्ट्र के मीडिया अधिकारियों व पत्रकारों ने किया काजरी भ्रमण

जोधपुर   3 नवम्बर 2025

भारत सरकार पत्र सूचना, कार्यालय, महाराष्ट्र के विभिन्न केन्द्रों के संचार अधिकारी तथा पत्रकारों ने श्री आशीष वर्मा, मीडिया एवं संचार अधिकारी, पत्र सूचना कार्यालय, जोधपुर के नेतृत्व में काजरी के विभिन्न शोध क्षेत्रों का भ्रमण कर एवं वैज्ञानिकों से वार्तालाप कर कृषि तकनीकियों एवं नवाचारों के बारे जानकारी ली । काजरी निदेशक डा. सुरेश पाल सिंह तंवर ने कहा कि काजरी थार मरूस्थल एवं लेह जैसे ठंडे रेगिस्तान में कृषि के विकास के लिए कार्य कर रहा है । संस्थान ने टिब्बा स्थिरीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, फलोउद्यानिकी, पशुपालन आदि क्षेत्रों में शोध कार्य कर अनेक तकनीकियां विकसित की एवं तकनीकियों को गाँव ढाणी तक पहुँचाया जिससे क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ा हरियाली विस्तारित हुई । कम पानी, कम लागत, कम खर्च, में पनपने वाली खरीफ एवं रबी किस्मों की विभिन्न फसलों की किस्में विकसित की जिससे उत्पादन एवं किसानों की आमदनी बढ़ी । उन्होंनें कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली का मॉडल विकसित किया जिसमें अनाज, फल, चारा, पेड़, औषधिय पौधे आदि से वर्ष भर किसान को आय मिलती रहती है ।

प्रधान वैज्ञानिक डा. आर.एन. कुमावत ने संस्थान की शोध उपलब्धियों तथा गतिविधियों के बारे में वैकल्पिक चारा मॉडल, उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन, फसल वाटिका, पोषण, पशुआहार वट्टिका आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने बताया कि संस्थान के एटिक केन्द्र द्वारा किसानों को स्वस्थ एवं गुणवत्तायुक्त पेड़-पौधे, बीजों आदि को उपलब्ध करवाया जाता है । साथ ही

गांवों में शिविर लगाकर एवं प्रशिक्षण देकर उनकी कौशलता बढाई जाती है ताकि वे वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकें ।

विभागाध्यक्ष डा. पी. सान्तरा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश का प्रतिरूप बदल गया है । एक ही दिन में अत्यधिक बारिश होने की मात्रा में वृद्धि हुई । ऐसे पानी रोकने के लिए खेतों में फार्म पौण्ड बनाना जरूरी है । प्रधान वैज्ञानिक डा. महेश कुमार ने क्षारीय एवं लवणीय भूमि को उपचारित कर फसल लेने के बारे में बताया । विभागाध्यक्ष डा. एचएल कुशवाहा एवं डा. सुरेन्द्र पुनिया ने सौर उर्जा के विभिन्न संय़त्रों एवं एग्रो वोल्टाईक प्रणाली जिससे एक ही भूमि से बिजली पानी और फसल उत्पादन के बारे में जानकारी दी । वैज्ञानिक डा. राज शेखर ने बाजरा में मूल्य संवर्द्धन कर बिस्कुट, कुरकुरे बनाने के बारे में जानकारी दी । केविके प्रभारी डा. बीएस राठौड़, विभागाध्याक्ष डॉ. एम.पाटीदार ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।

पत्र सूचना कार्यालय जोधपुर के मीडिया एवं संचार अधिकारी आशीष वर्मा ने कहा कि देश में भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों, संस्थानों द्वारा जो लाभदायक तकनीकी मॉडल हैं उनको देश के आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका रही है । यहाँ की विभिन्न कृषि शोध उपलब्धियों को आम जन तक पहुँचाया जायेगा । संस्थान के सूचना एवं प्रचार अधिकारी श्री नवीन कुमार यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।